पुरखा

पंचपरगनिया लोककाथा

संकलन-सम्पादन

पराग किशोर सिंह

झारखण्ड झरोखा, राँची

ISBN : 978-93-85595-37-0

प्रथम संस्करण : 2015

सर्वाधिकार © : संपादक

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा

दुकान न.– डी. जी. 03, न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,
रातू रोड, राँची, (झारखण्ड), पिन न. 834001
मो. 09973112040, 09471160792
E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

वितरक : क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी

28, शॉपिंग सेन्टर, कर्मपूरा, न्यू दिल्ली–110 015
दूरभाष : (O) 25465978, 65903449 (R) : 28542847
E-mail : classicalpc@gmail.com

अजिल्द : 100.00
सजिल्द : 250.00

PURKHA : PANCHPARGANIA LOK KATHA
by Parag Kishore Singh

बिसई-चिन्हाप

पंचपरगनिया लोककाथा 8

01. जिमुतबाहन (जितिआ) 10

02. करम देब केर बरत कथा 17

03. दूई कोढ़ी 22

04. बुइध बड़े न धन 26

05. पाप-भग 28

06. रूखी आर सीता माता 31

07. बुढ़ा बाबा आर ककरो नदीक जनम 32

08. सीता माताक उँधी-पीठा 33

09. सात-भाया 34

10. सिआर आर सिआरिन 35

11. राँड़ीक बेटा गइमदा 39

12. मुरई तिअन 45

13. राजा आर सात रानी 46

14. केंवट आर केंवटाइन 50

15. हँड़िया केर जनम 53

16. जेसन के तेसन 54

17. चटा आर चटी 56

18. खेड़िया आर बुढ़ा-बुढ़ी 59

19. दूइ सतिन आर बाघ मामा 62

20. छटकी पुतउ 65

21. हीरा केर बुइध 68

22. नून केर महत 71

23. बुढ़ी केर धरमेक काथा 74

24. चोर आर बाभन 76

25. पाँच भाई 79

26. अमर फर 85

27. सुगा केर मरची 91

28. भाई-बहिन 94

परिचय

नाम	:	पराग किशोर सिंह
पिता	:	श्री राजकिशोर सिंह
माता	:	श्रीमती टुलू नायक
जन्म तिथि	:	10.09.1984
स्थाई पता	:	अस्पताल टोली, बुण्डू, राँची (झारखण्ड)
शैक्षणिक योग्यता	:	एम.ए., यु.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ.

कृतियाँ :–

1. पंचपरगनिया मइधकालीन कबि आर उनखर रचना – 2014
2. जागरण (पंचपरगनिया काइब) – 2014
3. पाँचपरगनाक साहितिक आर सांसकिरतिक चिन्हाप – 2014

PUBLISHER :-

Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market
Ratu Road, Ranchi (Jharkhand),Pin-834001
Mob. - 09973112040, 09471160792
E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

ISBN : 978-93-85595-37-0

978-93-85595-37-0

मूल्य : 100.00 रु.